

कार्यकारी सारांश

रिपोर्ट का मूल्य

पर्यावरणीय प्रभाव आकलन (ईआईए) एक निर्णय लेने वाला उपकरण है, जो प्राधिकरणों के हाथों में है, जो एक परियोजना के बारे में तथ्यात्मक स्थिति को सामने लाता है जो उन्हें प्रस्तावित परियोजनाओं के लिए एक उपयुक्त निष्कर्ष पर पहुंचने में सक्षम बनाता है, अगर वे पर्यावरण की दृष्टि से ध्वनि को बनाए रखते हैं, और अस्वीकार करते हैं अगर समग्र प्रभाव को पाया जाता है। ईआईए निर्णय लेने से पहले एक परियोजना के पर्यावरणीय, सामाजिक और आर्थिक प्रभावों की सीमा की पहचान करता है। ईआईए व्यवस्थित रूप से पर्यावरणीय मापदंडों की मौजूदा स्थितियों से ऊपर और ऊपर प्रस्तावित परियोजना के लाभकारी और प्रतिकूल दोनों प्रभावों की जांच करता है और यह सुनिश्चित करता है कि परियोजना के डिजाइनिंग चरण के दौरान इन प्रभावों को ध्यान में रखा जाए और संयुक्त प्रभावों के मूल्यों को कभी भी अधिक और बने रहने की अनुमति नहीं है। वैधानिक मानदंडों के भीतर। पर्यावरण और वन मंत्रालय द्वारा सतत विकास के लिए इस प्रक्रिया की परिकल्पना और सेट की गई है और अंतिम निर्णय केवल तब लिया जाता है, जब जिन लोगों के लिए यह मायने रखता है, उन्हें परियोजना की मुख्य विशेषताओं के बारे में बताया जाता है, जिनके बारे में परिकल्पित किया गया है। जिला अधिकारियों की अध्यक्षता में व्यापक रूप से विज्ञापित जन सुनवाई कार्यक्रम में उनकी राय मांगी गई है, ताकि जनता भी बिना किसी पक्ष और भय के अपनी राय स्वतंत्र रूप से व्यक्त कर सके। पर्यावरणीय प्रभाव आकलन रिपोर्ट 14-9-2006 के एमओईएफ अधिसूचना के तहत एसईआईएए, उत्तराखंड से प्राप्त संदर्भ (टीओआर) की शर्तों का पालन करने के लिए तैयार की गई है, और इसके बाद के संशोधन और ईआईए गाइडलाइन खनिजों के खनन के लिए, भारत सरकार में, 5.809 हेक्टेयर मापने वाले लागू खनन पट्टे क्षेत्र में साबुन के पत्थर के खनन के लिए पर्यावरणीय मंजूरी की मांग के लिए। प्रस्तावित परियोजना ईआईए अधिसूचना 2006 के अनुसार श्रेणी "बी 2" के अंतर्गत आती है इसके संशोधन 2009, 2011, 2012, और 2016 में पर्यावरण और वन मंत्रालय, नई दिल्ली के हैं, लेकिन एनजीटी के हालिया आदेश के कारण यह बी 1 श्रेणी के अंतर्गत आता है।

2. परियोजना और परियोजना के समर्थन की पहचान

श्री दरबान सिंह परिहार की प्रस्तावित परियोजना सोपस्टोन के लिए है जो ग्राम-गुरुवा सिरमोली तहसील - कांडा जिला- बागेश्वर के पास 5.809 हेक्टेयर क्षेत्र को कवर करती है। श्री दरबान सिंह परिहार के पक्ष में दी गई है

सोपस्टोन जीवन और वाणिज्यिक व्यवसाय के सभी पहलुओं में इसके उपयोग पाता है।

विभिन्न उद्योगों में सोपस्टोन □□ □□□□□□ □□□□□□□□ □□। साबुन का पत्थर या तालक के लिए कुछ उपयोग कागज कपड़ा सौंदर्य प्रसाधन पेंट, चीनी मिट्टी की चीजें, डिटर्जेंट, पशु चारा, कीटनाशक, प्लास्टिक और विभिन्न सुखाने पाउडर हैं। सोपस्टोन, जिसे टैल्क या टैल्कम पाउडर के रूप में भी जाना जाता है, एक खनिज है जो स्वाभाविक रूप से प्रकृति में पाया जाता है। तालक या तालक पाउडर का रासायनिक नाम हाइड्रेटेड मैग्नीशियम सिलिकेट है। उत्तराखंड में भारत के साबुन उत्पादन का 29% हिस्सा है। प्रति वर्ष उच्चतम उत्पादन 20061 टन / वर्ष होगा।

वर्ष	सोपस्टोन की मात्रा (टन)	सोपस्टोन की कुल मात्रा
------	-------------------------	------------------------

प्रस्तावित परियोजना: सोपस्टोन खनन परियोजना
 गरुवा सिरमोली, तहसील- कांडा में स्थित है।
 जिला-बागेश्वर राज्य- उत्तराखंड
 क्षेत्र: 5.809Ha
 उत्पादन-20061TPA
 प्रस्तावक: श्री दरबान सिंह परिहार

	PIT-I	PIT-II	(टन)
2020-21	4968	10090	15058
2021-22	7069	8985	16054
2022-23	6841	10232	17073
2023-24	3779	14729	18508
2024-25	3550	16511	20061
Total	26207	60547	86754

प्रस्तावित खनन परियोजना को श्रेणी बी-1 परियोजना के रूप में वर्गीकृत किया गयाहै।

प्रस्तावक और पता.
 श्री दरबान सिंह परिहार
 पुत्र श्री गुमान सिंह परिहार
 पता- गाँव- उदलगाँव पोस्ट- मोस्टगाँव
 जिला- बागेश्वर, राज्य- उत्तराखंड

क्रमांक	विवरण																																																							
A	खननपट्टेऔरस्थानकाविवरण																																																							
1.	परियोजना का नाम	गरुवा सिरमोली सोपस्टोन																																																						
2.	स्थान																																																							
a.	गांव	गरुवा सिरमोली																																																						
b.	तहसील	कांडा																																																						
c.	जिला	बागेश्वर																																																						
d.	राज्य	उत्तराखंड																																																						
e.	लीज एरिया को ऑर्डिनेट	<table><tr><th>PILLER NO.</th><th>LATITUDE</th><th>LONGITUDE</th></tr><tr><td colspan="3">BLOCK-I</td></tr><tr><td>A1</td><td>29°51'8.30"N</td><td>79°55'45.34"E</td></tr><tr><td>A2</td><td>29°51'8.00"N</td><td>79°55'45.80"E</td></tr><tr><td>A3</td><td>29°51'7.42"N</td><td>79°55'46.02"E</td></tr><tr><td>A4</td><td>29°51'7.33"N</td><td>79°55'46.96"E</td></tr><tr><td>A5</td><td>29°51'6.77"N</td><td>79°55'47.41"E</td></tr><tr><td>A6</td><td>29°51'5.90"N</td><td>79°55'45.29"E</td></tr><tr><td>A7</td><td>29°51'5.64"N</td><td>79°55'44.87"E</td></tr><tr><td>A8</td><td>29°51'5.47"N</td><td>79°55'44.85"E</td></tr><tr><td>A9</td><td>29°51'4.79"N</td><td>79°55'46.04"E</td></tr><tr><td>A10</td><td>29°51'4.24"N</td><td>79°55'45.21"E</td></tr><tr><td>A11</td><td>29°51'4.02"N</td><td>79°55'45.56"E</td></tr><tr><td>A12</td><td>29°51'4.57"N</td><td>79°55'46.23"E</td></tr><tr><td>A13</td><td>29°51'5.25"N</td><td>79°55'46.81"E</td></tr><tr><td>A14</td><td>29°51'4.87"N</td><td>79°55'47.52"E</td></tr><tr><td>A15</td><td>29°51'4.20"N</td><td>79°55'46.26"E</td></tr><tr><td>A16</td><td>29°51'3.98"N</td><td>79°55'47.15"E</td></tr></table>	PILLER NO.	LATITUDE	LONGITUDE	BLOCK-I			A1	29°51'8.30"N	79°55'45.34"E	A2	29°51'8.00"N	79°55'45.80"E	A3	29°51'7.42"N	79°55'46.02"E	A4	29°51'7.33"N	79°55'46.96"E	A5	29°51'6.77"N	79°55'47.41"E	A6	29°51'5.90"N	79°55'45.29"E	A7	29°51'5.64"N	79°55'44.87"E	A8	29°51'5.47"N	79°55'44.85"E	A9	29°51'4.79"N	79°55'46.04"E	A10	29°51'4.24"N	79°55'45.21"E	A11	29°51'4.02"N	79°55'45.56"E	A12	29°51'4.57"N	79°55'46.23"E	A13	29°51'5.25"N	79°55'46.81"E	A14	29°51'4.87"N	79°55'47.52"E	A15	29°51'4.20"N	79°55'46.26"E	A16	29°51'3.98"N	79°55'47.15"E
		PILLER NO.	LATITUDE	LONGITUDE																																																				
		BLOCK-I																																																						
		A1	29°51'8.30"N	79°55'45.34"E																																																				
		A2	29°51'8.00"N	79°55'45.80"E																																																				
		A3	29°51'7.42"N	79°55'46.02"E																																																				
		A4	29°51'7.33"N	79°55'46.96"E																																																				
		A5	29°51'6.77"N	79°55'47.41"E																																																				
		A6	29°51'5.90"N	79°55'45.29"E																																																				
		A7	29°51'5.64"N	79°55'44.87"E																																																				
		A8	29°51'5.47"N	79°55'44.85"E																																																				
		A9	29°51'4.79"N	79°55'46.04"E																																																				
		A10	29°51'4.24"N	79°55'45.21"E																																																				
		A11	29°51'4.02"N	79°55'45.56"E																																																				
		A12	29°51'4.57"N	79°55'46.23"E																																																				
		A13	29°51'5.25"N	79°55'46.81"E																																																				
		A14	29°51'4.87"N	79°55'47.52"E																																																				
A15	29°51'4.20"N	79°55'46.26"E																																																						
A16	29°51'3.98"N	79°55'47.15"E																																																						

प्रस्तावित परियोजना: सोपस्टोन खनन परियोजना
गुरुवा सिरमोली, तहसील- कांडा में स्थित है।
जिला-बागेश्वर राज्य- उत्तराखंड
क्षेत्र: 5.809Ha
उत्पादन-20061TPA
प्रस्तावक: श्री दरबान सिंह परिहार

		A17	29°51'3.26"N	79°55'47.69"E
		A18	29°51'3.14"N	79°55'46.77"E
		A19	29°51'3.91"N	79°55'45.96"E
		A20	29°51'3.65"N	79°55'45.46"E
		A21	29°51'3.75"N	79°55'45.24"E
		A22	29°51'3.67"N	79°55'45.19"E
		A23	29°51'3.50"N	79°55'45.40"E
		A24	29°51'2.17"N	79°55'45.13"E
		A25	29°51'1.71"N	79°55'45.16"E
		A26	29°51'1.69"N	79°55'45.62"E
		A27	29°51'1.79"N	79°55'45.77"E
		A28	29°51'1.43"N	79°55'46.56"E
		A29	29°51'1.70"N	79°55'47.59"E
		A30	29°51'0.80"N	79°55'47.81"E
		A31	29°51'0.24"N	79°55'46.94"E
		A32	29°51'0.53"N	79°55'46.84"E
		A33	29°51'0.43"N	79°55'46.58"E
		A34	29°51'0.06"N	79°55'46.64"E
		A35	29°50'59.16"N	79°55'45.99"E
		A36	29°50'59.26"N	79°55'45.74"E
		A37	29°50'59.19"N	79°55'45.72"E
		A38	29°50'59.07"N	79°55'45.92"E
		A39	29°50'58.26"N	79°55'45.36"E
		A40	29°50'58.43"N	79°55'45.68"E
		A41	29°50'58.69"N	79°55'45.92"E
		A42	29°50'59.74"N	79°55'46.67"E
		A43	29°50'59.96"N	79°55'46.94"E
		A44	29°50'59.70"N	79°55'47.15"E
		A45	29°50'59.58"N	79°55'47.45"E
		A46	29°50'59.92"N	79°55'47.76"E
		A47	29°51'0.31"N	79°55'47.51"E
		A48	29°51'0.60"N	79°55'47.91"E
		A49	29°51'0.37"N	79°55'48.51"E
		A50	29°51'1.14"N	79°55'48.83"E
		A51	29°51'2.39"N	79°55'50.02"E
		A52	29°51'2.41"N	79°55'50.47"E
		A53	29°51'2.57"N	79°55'50.56"E
		A54	79°55'50.56"E	79°55'50.32"E
		A55	29°51'3.32"N	79°55'50.56"E
		A56	29°51'2.66"N	79°55'50.87"E
		A57	29°51'1.64"N	79°55'51.18"E
		A58	29°51'1.64"N	79°55'51.07"E
		A59	29°51'1.41"N	79°55'51.05"E

प्रस्तावित परियोजना: सोपस्टोन खनन परियोजना
गुरुवा सिरमोली, तहसील- कांडा में स्थित है।
जिला-बागेश्वर राज्य- उत्तराखंड
क्षेत्र: 5.809Ha
उत्पादन-20061TPA
प्रस्तावक: श्री दरबान सिंह परिहार

		A60	29°51'1.36"N	79°55'51.27"E
		A61	29°51'0.47"N	79°55'51.51"E
		A62	29°51'0.03"N	79°55'50.28"E
		A63	29°50'59.41"N	79°55'49.73"E
		A64	29°50'59.84"N	79°55'48.80"E
		A65	29°50'59.35"N	79°55'48.34"E
		A66	29°50'59.16"N	79°55'49.04"E
		A67	29°50'58.54"N	79°55'49.18"E
		A68	29°50'58.80"N	79°55'50.34"E
		A69	29°50'59.03"N	79°55'49.83"E
		A70	29°50'59.22"N	79°55'50.07"E
		A71	29°50'59.88"N	79°55'50.42"E
		A72	29°51'0.21"N	79°55'51.66"E
		A73	29°50'59.18"N	79°55'51.75"E
		A74	29°50'58.98"N	79°55'50.59"E
		A75	29°50'58.26"N	79°55'51.73"E
		A76	29°50'56.14"N	79°55'50.82"E
		A77	29°50'56.39"N	79°55'50.40"E
		A78	29°50'56.22"N	79°55'50.26"E
		A79	29°50'55.59"N	79°55'50.55"E
		A80	29°50'55.19"N	79°55'50.29"E
		A81	29°50'55.51"N	79°55'49.66"E
		A82	29°50'55.44"N	79°55'49.48"E
		A83	29°50'55.05"N	79°55'50.18"E
		A84	29°50'53.06"N	79°55'48.52"E
		A85	29°50'52.94"N	79°55'47.98"E
		A86	29°50'53.54"N	79°55'47.43"E
		A87	29°50'53.84"N	79°55'48.08"E
		A88	29°50'54.95"N	79°55'47.59"E
		A89	29°50'56.13"N	79°55'46.53"E
		A90	29°50'56.04"N	79°55'46.28"E
		A91	29°50'54.91"N	79°55'47.13"E
		A92	29°50'54.36"N	79°55'45.59"E
		A93	29°50'54.90"N	79°55'45.13"E
		A94	29°50'54.85"N	79°55'44.93"E
		A95	29°50'54.64"N	79°55'45.04"E
		A96	29°50'54.55"N	79°55'44.78"E
		A97	29°50'55.12"N	79°55'44.00"E
		A98	29°50'55.33"N	79°55'44.39"E
		A99	29°50'55.04"N	79°55'44.85"E
		A100	29°50'55.27"N	79°55'44.98"E
		A101	29°50'55.53"N	79°55'44.74"E
		A102	29°50'55.71"N	79°55'44.94"E

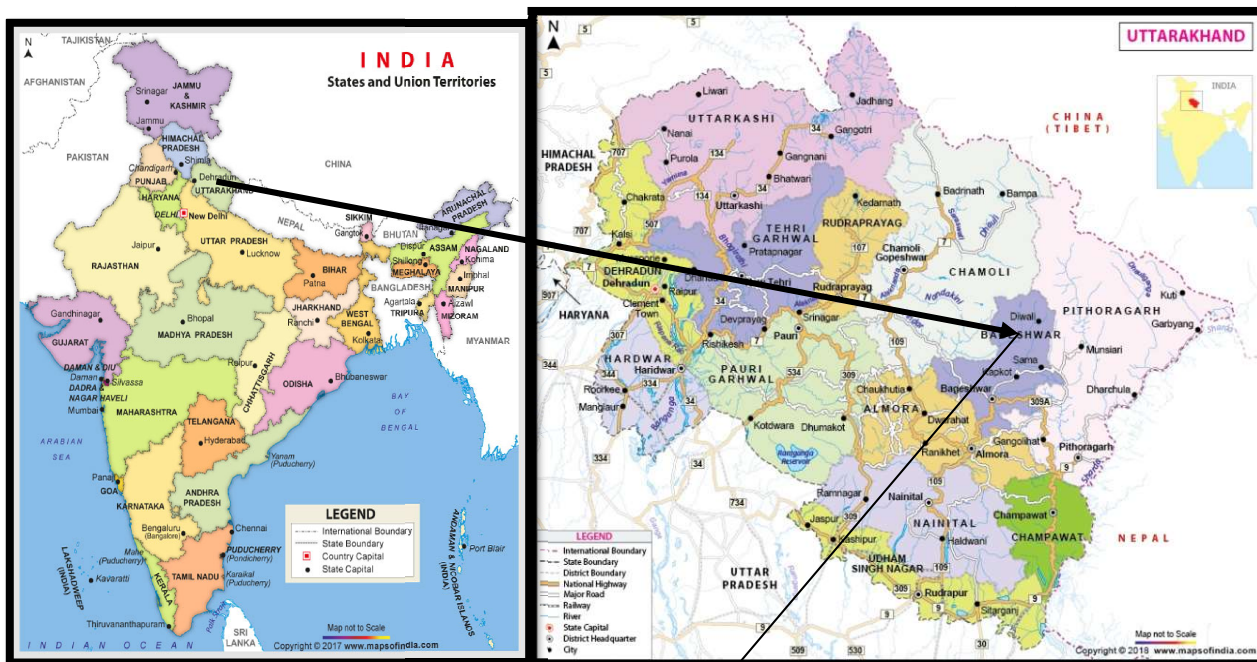
प्रस्तावित परियोजना: सोपस्टोन खनन परियोजना
गुरुवा सिरमोली, तहसील- कांडा में स्थित है।
जिला-बागेश्वर राज्य- उत्तराखंड
क्षेत्र: 5.809Ha
उत्पादन-20061TPA
प्रस्तावक: श्री दरबान सिंह परिहार

		A103	29°50'56.64"N	79°55'44.50"E
		A104	29°50'56.35"N	79°55'45.45"E
		A105	29°50'56.75"N	79°55'45.74"E
		A106	29°50'56.77"N	79°55'46.85"E
		A107	29°50'56.28"N	79°55'47.45"E
		A108	29°50'56.36"N	79°55'48.56"E
		A109	29°50'56.76"N	79°55'48.95"E
		A110	29°50'57.37"N	79°55'47.44"E
		A111	29°50'57.23"N	79°55'46.54"E
		A112	29°50'57.94"N	79°55'46.03"E
		A113	29°50'58.11"N	79°55'45.67"E
		A114	29°50'57.87"N	79°55'45.65"E
		A115	29°50'57.96"N	79°55'45.27"E
		A116	29°50'58.15"N	79°55'45.01"E
		A117	29°50'58.50"N	79°55'45.09"E
		A118	29°50'58.72"N	79°55'45.33"E
		A119	29°51'0.78"N	79°55'42.34"E
		A120	29°51'0.85"N	79°55'42.83"E
		A121	29°51'1.11"N	79°55'43.02"E
		A122	29°51'1.22"N	79°55'42.33"E
		A123	29°51'1.74"N	79°55'42.32"E
		A124	29°51'2.83"N	79°55'42.57"E
		A125	29°51'3.81"N	79°55'41.08"E
		A126	29°51'5.09"N	79°55'42.60"E
		A127	29°51'5.90"N	79°55'43.43"E
		A128	29°51'5.79"N	79°55'44.19"E
		A129	29°51'5.27"N	79°55'43.98"E
		A130	29°51'4.78"N	79°55'43.07"E
		A131	29°51'4.46"N	79°55'43.23"E
		A132	29°51'4.41"N	79°55'43.65"E
		A133	29°51'5.57"N	79°55'44.29"E
		A134	29°51'6.29"N	79°55'44.59"E
		A135	29°51'6.58"N	79°55'44.98"E
		A136	29°51'6.69"N	79°55'45.62"E
		A137	29°51'7.12"N	79°55'45.55"E
		A138	29°51'6.90"N	79°55'44.89"E
		A139	29°51'7.41"N	79°55'44.70"E
		Block-II		
		A	29°51'7.29"N	79°55'41.84"E
		B	29°51'6.84"N	79°55'42.60"E
		C	29°51'6.53"N	79°55'43.87"E
		D	29°51'5.02"N	79°55'42.31"E
		E	29°51'4.98"N	79°55'41.84"E

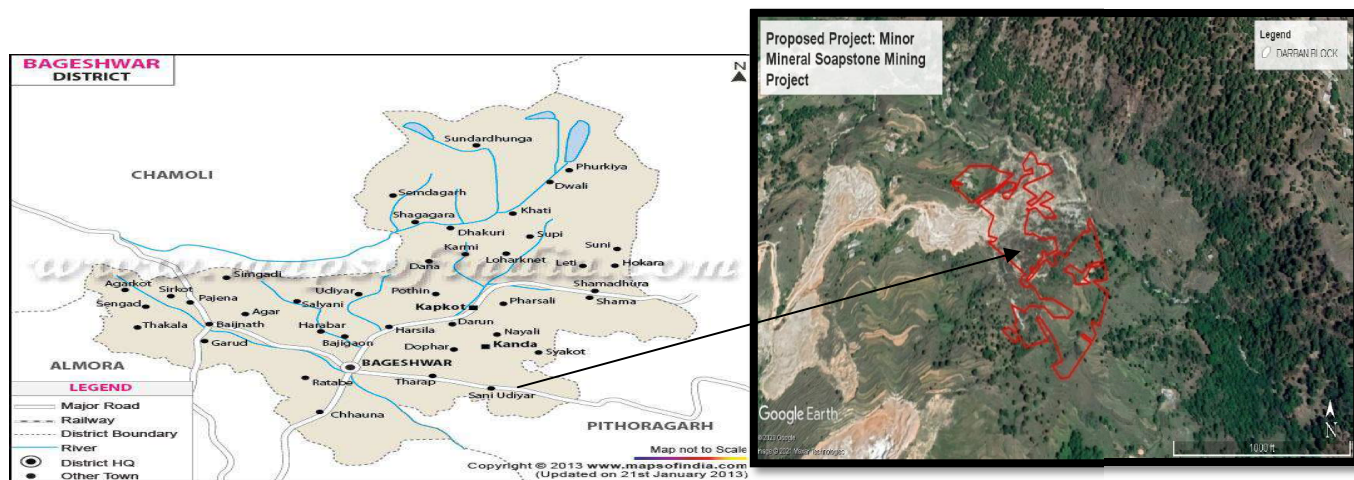
प्रस्तावित परियोजना: सोपस्टोन खनन परियोजना
 गरुवा सिरमोली, तहसील- कांडा में स्थित है।
 जिला-बागेश्वर राज्य- उत्तराखण्ड
 क्षेत्र: 5.809Ha
 उत्पादन-20061TPA
 प्रस्तावक: श्री दरबान सिंह परिहार

		F	29°51'3.71"N	79°55'40.70"E
		G	29°51'5.22"N	79°55'38.70"E
		H	29°51'5.29"N	79°55'38.74"E
		I	29°51'5.15"N	79°55'39.56"E
		J	29°51'5.27"N	79°55'39.62"E
		K	29°51'5.46"N	79°55'38.85"E
		L	29°51'7.07"N	79°55'40.05"E
f.	खदानकीलीजअवधि	20 वर्ष		
g.	परियोजनाकीलागत	रु। 1.00102 □□□□		
h.	मैनपावरआवश्यकता	52व्यक्ति		
i.	पानीकीआवश्यकताऔरस्रोत	12.13 केएलडी का उपयोग किया जाएगा (पीने का उपयोग] छिड़काव और वृक्षारोपण) औरस्रोत:टैंकर		
B	पर्यावरणपरिवेश			
2.	ऊंचाई (RL)	क्षेत्र की अधिकतम ऊचाई 1295.50mRL पूर्व दिशा की तरफ। क्षेत्रो की न्यूनतम ऊचाई 1350.mRL पश्चिम दिशा की ओर है		
3.	निकटतमराष्ट्रीयराजमार्ग राज्यराजमार्ग	/	NH-309A लगभग 1.29 किलोमीटर N(हवाई दूरी) मे	
4.	निकटतमरेलवेस्टेशन	बागेश्वर-15.44Km पश्चिम की ओर		
5.	निकटतमहवाईअड्डा	पिथौरागढ़ हवाई अड्डा] 41.32 किलोमीटर		
6.	पारिस्थितिकसंवेदीक्षेत्र (वन्यजीवअभयारण्य)	10 किमी बफर क्षेत्र के भीतर कोई पारिस्थिति की संवेदनशील क्षेत्र नहीं। बिनसर वन्यजीव अभयारण्य] लगभग 16.66 किलोमीटर हवाई दूरी पर स्थित है।		
7.	आरक्षित / अनुमानित वन	10 किलोमीटर के भीतर कोई आरक्षित / अनुमानित वननहीं		
8.	निकटतमटाउन / सिटी	बागेश्वर] 8.92 किलोमीटर (हवाई दूरी)		
9.	निकटतमनदी	सरयूनदी 5.58किमी हवाई दूरी, उत्तर दिशा में।		
10.	भूकंपीयक्षेत्र	क्षेत्र V (बहुतगंभीरतीव्रताक्षेत्र) Source: http://asc-india.org/seismi/seis-uttarakhand.htm		

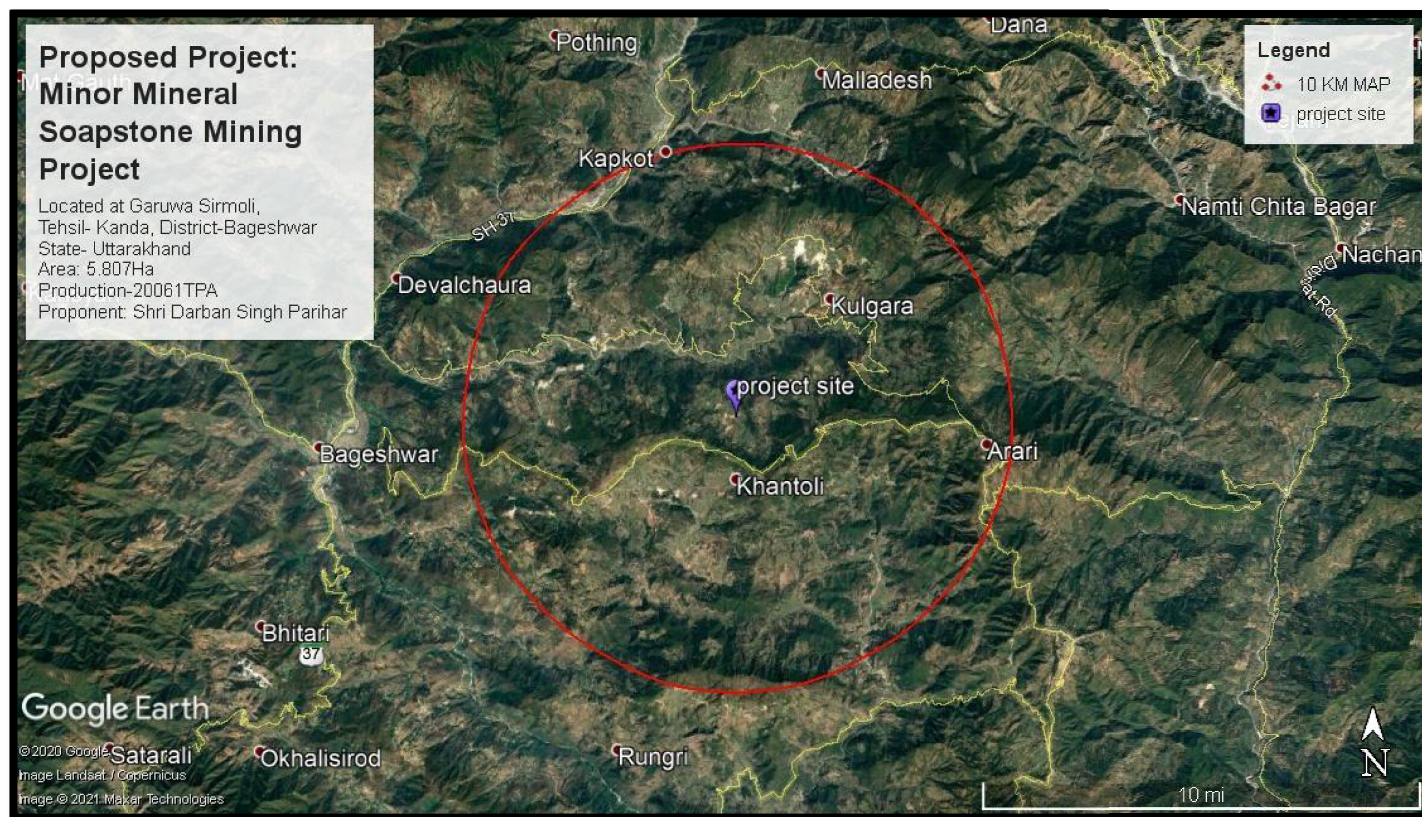
प्रस्तावित परियोजना: सोपस्टोन खनन परियोजना
गरुवा सिरमोली, तहसील- कांडा में स्थित है।
जिला-बागेश्वर राज्य- उत्तराखंड
क्षेत्र: 5.809Ha
उत्पादन-20061TPA
प्रस्तावक: श्री दरबान सिंह परिहार



प्रस्तावित परियोजना: सोपस्टोन खनन परियोजना
गरुवा सिरमोली, तहसील- कांडा में स्थित है।
जिला-बागेश्वर राज्य- उत्तराखंड
क्षेत्र: 5.809Ha
उत्पादन-20061TPA
प्रस्तावक: श्री दत्तान सिंह परिहार



चित्र- 1 - परियोजनाकास्थान



चित्र- 2 (10 KM अध्ययनक्षेत्र)

परियोजना के क्षेत्राकारियों का कथन

□□□ क्षेत्र या एमएल क्षेत्र के 10 किमी के दायरे में कोई राष्ट्रीय उद्यान] वन्यजीव अभयारण्य और राष्ट्रीय स्मारक नहीं है।

अदालत में कानून के खिलाफ कोई कानूनी मुद्दा नहीं है।

4. खान विकास और उत्पादन

खनन को 6 मीटर ऊँची बेंच बना कर खुले व्यवस्थित तरीके से अर्ध-मशीनी कृत तरीके से किया जाएगा। बेंच की ऊँचाई 6मी0, बेंच की चौड़ाई 8मी0 व बेंच का ढाल 68डिग्री व फेस का ढाल डिग्री होगा। उधरी सतह कि मृदा को उपयोग वृक्षारोपण कार्यों में किया जायेगा। अपशिष्ट पदार्थ (interburden material) को मशीन द्वारा प्रथक करके अलग से ,कत्रित कर लिये जायेगा तथा भविष्य में इसका उपयोग गडढो में भरान कार्यों आदि कार्यों के प्रयोग में लाया जायेगा। सोपस्टोन ,क नरम धातु है तथा इसको मानवीय तरीके से कुदाल, फावड़ा घन, छैनी आदि की मदद से खुरचकर अलग किया जाएगा और काम करने वाले गड्डे के पास स्थित स्टाक यार्ड में अलग से ढेर किया जाएगा। तथा मानवीय ढंग से अलग-अलग ग्राइड के सोपस्टोन को प्लास्टिक बैग में भरकर मानवीय या खच्चरो के माध्यम से सड़क तक लाया जायेगा जहां से इसे ट्रको में लादकर गंतव्य स्थान को भेज दिया जायेगा।

खनन की विधि:

खनन तीन गड्डे अर्थात गड्डे I] गड्डे II] और गड्डे III में किया जाएगा। और 6 मीटर ऊँचाई और 8 मीटर चौड़ाई वाली बेंच बनाकर ओपन कास्ट मैकेनाइज्ड तरीके से किया जायेगा। बेंच का ढाल 68° तथा सम्पूर्ण फेज का ढाल 38° होगा। उपरी सतह की मृदा को अलग से ,कत्रित कर लिया जायेगा तथा इसका उपयोग वृक्षारोपण कार्यों में किया जायेगा। उपशिष्ट पदार्थ को मशीन द्वारा पृथक करके अलग से ,कत्रित कर लिया जायेगा तथा भविष्य में इसका उपयोग गडढे भरान आदि कार्यों के प्रयोग में लाया जायेगा। सोपस्टोन का उत्पादन मानवीय प्रकार से किया जायेगा तथा इस कार्य में कोई भी मशीन का प्रयोग नहीं किया जायेगा। क्राउबर] हुकुम और छेनी आदि का उपयोग करके और साथ ही उत्खनन का उपयोग करके किया जाएगा। उत्पादन एमएल क्षेत्र की खदान में प्रस्तावित किया गया है। खनन कार्य में ड्रिलिंग और ब्लास्टिंग प्रस्तावित नहीं है।

- ऑपरेशन को ओपनकास्ट सेमी-मैकेनाइज्ड विधि द्वारा किया जाएगा।
- टॉपसाइल और इंटरबर्डेन को खुदाई के माध्यम से हटा दिया जाएगा और ढलान की दीवारों के साथ सुरक्षित ढलान की ओर अलग से डंप किया जाएगा।
- छेनी] हथौड़े] कुदाल आदि की मदद से साबुन का पत्थर निकाला जाएगा।
- ड्रिलिंग और ब्लास्टिंग की आवश्यकता नहीं है।
- विभिन्न प्रकार के साबुन के पत्थरों को 50 किलोग्राम के थैलों में भरकर खच्चरों द्वारा सड़क किनारे पहुँचाया जाएगा।

प्रस्तावित परियोजना: सोपस्टोन खनन परियोजना
 गरुवा सिरमौली, तहसील- कांडा में स्थित है।
 जिला-बागेश्वर राज्य- उत्तराखंड
 क्षेत्र: 5.809Ha
 उत्पादन-20061TPA
 प्रस्तावक: श्री दरबान सिंह परिहार

- सड़क के किनारे से रखी गयी 50 किलोग्राम की बोरियों को ट्रकों में लाद कर हलद्वानी ले जाया जाएगा।

बेंच की ऊंचाई	6.0 मीटर
बेंच की चौड़ाई	8 मी (काम करने की चौड़ाई)
कुल गड्ढे ढलान (Overall pit slope of dump)	68 ⁰ अधिकतम

खनन पट्टे के क्षेत्र को खनन से पहले सीमांकन किया जाएगा और पक्के खंभों को जमीन पर खड़ा किया जाएगा जिससे व्यवस्थित खनन हो सकेगा।

किसी भी रेल या तटबंध से 500 मीटर की निकटता में कोई खनन कार्य नहीं किया जाएगा।

किसी भी आरएफ / पीएफ से 250 मीटर की निकटता में कोई खनन कार्य नहीं किया जाएगा।

5. भूमि के उपयोग के आधार पर भूमि का उपयोग और नवीकरण पर प्रभाव:

ओपनकास्ट खनन गतिविधियाँ पट्टे के क्षेत्र के परिदृश्य को बदल सकती हैं और आसपास के क्षेत्रों की सतह सुविधाओं में कुछ गड़बड़ी पैदा कर सकती हैं। 7.5 मीटर सुरक्षा अवरोध छोड़ने के बाद खनन किया जाएगा। जहां भी संभव हो] जिला प्रशासन / स्थानीय वन प्राधिकरण के परामर्श से वृक्षारोपण विकसित किया जाएगा। खनन गतिविधियों से प्रभावित भूमि के पुनर्ग्रहण का प्रस्ताव:

खनन उच्च स्तर से शुरू होगा और निचले स्तरों की ओर बढ़ेगा। जैसे ही खनन गड्ढा अन्तिम गहराई तक पहुंच जायेगा, गड्ढे को अपशिष्ट पदार्थों द्वारा भरकर समतल कर दिया जायेगा ताकि मूल भूमि का उपयोग बहाल हो जाए यानी मानसून की शुरुआत से पहले खेती के लिए किसानों को सौंप दिया जाएगा। एक बार अंतिम बेंच बनने और अंतिम आर्थिक गहराई तक गड्ढे पहुँचने के बाद अंतिम बैकफिलिंग शुरू कर दी जाएगी।

स्थानीय डीएफओ / कृषि विभाग के परामर्श से] ग्राम पंचायत की भूमि पर वृक्षारोपण किया जायेगा।

भूमि उपयोग

वर्तमानमें (पूर्वखनन)] प्रस्तावित खनन क्षेत्र खेतीहर भूमि क्षेत्र के अंतर्गत आने वाली भूमि गैर-वन भूमि है।

6. बेसलाइन पर्यावरणीय स्थिति

मिट्टी की गुणवत्ता

क्षेत्र की वर्तमान मिट्टी की गुणवत्ता का आकलन करने के लिए और उसके बाद खदान के पट्टे क्षेत्र के आसपास पांच मिट्टी के नमूने एकत्र किए गए। मिट्टी की भौतिक विशेषताओं को विशिष्ट मापदंडों अर्थात् थोक घनत्व] छिद्र] जल धारण क्षमता] पीएच] विद्युत चालकता और बनावट के माध्यम से चित्रित किया गया था। मृदा पीएच पोषक तत्वों की उपलब्धता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। मिट्टी माइक्रोबियल गतिविधि के साथ-साथ धातु आयनों की घुलनशीलता भी पीएच पर निर्भर है। अध्ययन क्षेत्र में] मिट्टी के पीएच में भिन्नता

थोड़ी मूल (7.16 से 7.56) पाई गई। विद्युत चालकता (ईसी) मिट्टी में घुलनशील लवण और आयनिक गतिविधि का एक उपाय है। एकत्र मिट्टी के नमूनों में चालकता 268-333 μmhos / सेमी से लेकर है। कम थोक घनत्व वाले मृदा में अनुकूल भौतिक स्थिति होती है। जहां उच्च थोक घनत्व वाले लोग कृषि फसलों के लिए खराब भौतिक परिस्थितियों का प्रदर्शन करते हैं। परिणामों के आधार पर] यह स्पष्ट है कि मिट्टी किसी भी प्रदूषणकारी स्रोतों से दूषित नहीं होती है।

अंतरिक्ष-विज्ञान

1 साइट पर मौसम संबंधी आंकड़ों की निगरानी 1 मार्च 2019 से 31 मई 2019 के दौरान सर्दियों के मौसम का प्रतिनिधित्व करने के लिए की गई थी।

परिवेशी वायु गुणवत्ता

मार्च से मई 2019 तक ग्री-मॉनसून सीज़न के दौरान पांच स्थानों पर परिवेशी वायु गुणवत्ता निगरानी (AAQM) की गई है। अध्ययन क्षेत्र के भीतर दर्ज न्यूनतम और अधिकतम स्तर PM_{10} 62.3 μg / m^3 से 78.61 μg / की सीमा में था। एम 98 प्रतिशत के साथ 78.2 μg / m^3 । अध्ययन क्षेत्र के भीतर पीएम 2.5 का न्यूनतम और अधिकतम स्तर 98.3 प्रतिशत 38.16 μg / m^3 के साथ 24.33 μg / m^3 से 38.57 μg / m^3 तक था। अध्ययन क्षेत्र के भीतर दर्ज SO_2 की न्यूनतम और अधिकतम सांद्रता 6.2 μg / m^3 से 9.6 μg / m^3 थी जो 98 प्रतिशत प्रतिशत 9.4 μg / m^3 थी। अध्ययन क्षेत्र के भीतर दर्ज NO_2 का न्यूनतम और अधिकतम स्तर 16.7 μg / m^3 से 19.2 μg / m^3 था जो 98 प्रतिशत के साथ था

पानीकीगुणवत्ता

भूजल नमूनों के फिजियो-केमिकल और माइक्रोबायोलॉजिकल विश्लेषण के माध्यम से प्रभाव क्षेत्र में पानी की गुणवत्ता का आकलन किया गया था। परिणामों की तुलना आईएस: 10500 में निर्दिष्ट पेयजल गुणवत्ता मानकों के साथ की गई है। यह देखा गया कि सभी भौतिक-रासायनिक मानकों और भूजल नमूनों से भारी धातुएं पीने के पानी के मानकों के लिए निर्धारित सीमा से नीचे हैं।

10 IS-10500 मानकों के अनुसार पीने के पानी के नमूनों के लिए निर्धारित पीएच सीमा इस सीमा से परे 6.5 से 8.5 है जो पानी बलगम झिल्ली या पानी की आपूर्ति प्रणाली को प्रभावित करेगा। अध्ययन की अवधि के दौरान] पीएच 7.20 से 7.40 तक भूजल के लिए भिन्न था और सतह का पानी 7.68 से 7.74 है। अध्ययन अवधि के दौरान अध्ययन क्षेत्र में एकत्र किए गए सभी नमूनों के पीएच मान सीमा के भीतर पाए गए।

10 IS-10500 मानकों के अनुसार कुल भंग ठोस पदार्थों के लिए वांछनीय सीमा 500 mg / l है] जबकि वैकल्पिक स्रोत के अभाव में अनुमेय सीमा 2000 mg / l है] इससे पारगम्यता कम हो जाती है और गैस्ट्रो आंत्र जलन पैदा हो सकती है। अध्ययन क्षेत्र से एकत्र किए गए भूजल के नमूनों में] कुल भंग ठोस 255 मिलीग्राम / एल से 272 मिलीग्राम / एल तक भिन्न हो सकते हैं। नमूनों की टीडीएस वांछनीय सीमा से ऊपर थी लेकिन 2000 मिलीग्राम / एल की अनुमेय सीमा के भीतर थी।

प्रस्तावित परियोजना: सोपस्टोन खनन परियोजना
गरुवा सिरमौली, तहसील- कांडा में स्थित है।
जिला-बागेश्वर राज्य- उत्तराखंड
क्षेत्र: 5.809Ha
उत्पादन-20061TPA
प्रस्तावक: श्री दरबान सिंह परिहार

Is IS-10500 मानकों के अनुसार क्लोराइड के लिए वांछनीय सीमा 250 mg / l है] जबकि] इस सीमा के पारगम्यता की सीमा 1000 mg/l है] इस स्वाद] जंग और तालु से प्रभावित हैं। अध्ययन क्षेत्र में एकत्रित सतह के पानी के नमूनों में क्लोराइड का स्तर 12 mg/l से लेकर अधिकतम 18 mg/l तक था] भूजल के नमूनों में 14 mg/l से 22mg/l तक था। क्लोराइड के नमूने वांछनीय सीमा के भीतर हैं।

Is कठोरता के लिए IS-10500 मानकों के अनुसार वांछनीय सीमा 200 mg/l है] जबकि उसी के लिए अनुमेय सीमा जल आपूर्ति संरचना में इस सीमा से परे 600 mg / l है और घरेलू उपयोग पर प्रतिकूल प्रभाव देखा जाएगा। अध्ययन क्षेत्र से एकत्र किए गए भूजल के नमूनों में कठोरता 171.8 mg / l से 184 mg / l तक भिन्न होती है।

Which फ्लोराइड अन्य महत्वपूर्ण पैरामीटर है] जिसकी वांछनीय सीमा 1 mg/l और अनुमेय सीमा 1.5 mg/l है। हालांकि पीने के पानी में फ्लोराइड की इष्टतम सामग्री 0.6 से 1.5 mg / l है। यदि फ्लोराइड की मात्रा 0.6 मिलीग्राम / एल से कम है] तो यह 1.5 मिलीग्राम / एल से ऊपर दंत क्षय का कारण बनता है। अध्ययन क्षेत्र के भूजल नमूनों में फ्लोराइड का मान 0.2 mg / l से 0.98 mg / l तक था। सतही जल में 0.42 mg/l से 0.38 mg/l

कुल मिलाकर अध्ययन क्षेत्र से एकत्र किए गए सभी नमूने खपत के लिए फिट पाए गए] अधिकांश भूजल के नमूने आईएस-10500 के अनुसार] अनुमेय सीमा के भीतर अच्छी तरह से हैं। सभी नमूनों में अधिकांश भारी धातुएं पता लगाने योग्य सीमा से नीचे हैं।

शोर का स्तर:

अक्टूबर] 2020 से दिसंबर] 2020 के शोर स्तर की निगरानी के परिणाम तालिका 3.5 में प्रस्तुत किए गए हैं। दिन के समय के दौरान अध्ययन क्षेत्र में परिवेश का शोर स्तर दिन के समय 44.46 से 39.42 dB (A) और रात के दौरान 42.63 से 35.66 dB (A) तक भिन्न होता है जो CPCB की निर्दिष्ट सीमाओं के भीतर है। पारिस्थितिक पर्यावरण

प्रकाशित साहित्य के क्षेत्र अध्ययन और समीक्षा के आधार पर] यह देखा गया है कि खदान के पट्टे के क्षेत्र यानी भारतीय तेंदुए और एशियाई ब्लैक वीयर के अध्ययन क्षेत्र में दो अनुसूचियां हैं। अध्ययन के 10 किलोमीटर के दायरे में कोई वन्यजीव अभयारण्य और राष्ट्रीय उद्यान नहीं हैं।

7. प्रत्याशित पर्यावरणीय प्रभाव

वायु गुणवत्ता

सोपस्टोन खदान पर प्रभाव जहां PM10 और PM2.5 खनन गतिविधियों में उत्पन्न मुख्य प्रदूषक होंगे। डीजल संचालित उपकरणों और वाहनों की आवाजाही में सल्फर डाइऑक्साइड (SO2)] नाइट्रोजन ऑक्साइड (NO2) के उत्सर्जन को ब्रांडेड मेक के रूप में सीमांत माना गया और पीयूसी प्रमाण पत्र वाले वाहनों को ही संचालित किया जाएगा। खनन गतिविधियों में भगोड़ा धूल और पार्टिकुलेट प्रमुख प्रदूषक हैं। कई पानी के छिड़काव से भगोड़े उत्सर्जन को 70- 80% तक सुलझाया जाएगा। खनन गतिविधियों के कारण प्रस्तावित स्थल पर और प्रस्तावित क्षेत्र में 10 किमी के दायरे में पीएम 10 और पीएम 2.5 उत्सर्जन में प्रस्तावित

प्रस्तावित परियोजना: सोपस्टोन खनन परियोजना
गरुवा सिरमौली, तहसील- कांडा में स्थित है।
जिला-बागेश्वर राज्य- उत्तराखंड
क्षेत्र: 5.809Ha
उत्पादन-20061TPA
प्रस्तावक: श्री दरबान सिंह परिहार

उत्पादन और शुद्ध वृद्धि के साथ वायु पर्यावरण पर प्रभावों की भविष्यवाणी की जाएगी। परिचालन खदान में वायु प्रदूषण स्रोतों को दो श्रेणियों में वर्गीकृत किया गया था

i खनिज और ओबी] आईबी

ii के लोडिंग और अनलोडिंग। ढोना रोड पर परिवहन

जल संसाधन भूतल जल संसाधनों पर प्रभाव

प्रस्तावित समवर्ती पुनर्विचार को देखते हुए क्षेत्र की स्थलाकृति को बड़े पैमाने पर नहीं बदला जाएगा। खनन गतिविधि की अवधि के दौरान] बारिश के पानी के साथ ताजा रूप से परेशान सामग्री के मिश्रण की संभावना है। इस तरह की घटनाओं की देखभाल करने के लिए] बैकफिल्ड गड्डों के साथ-साथ मिट्टी और अंतर बोझ डंप के साथ दीवारों को बनाए रखना आवश्यक है।

भू-जल संसाधन

पहाड़ियों में पानी की मेज आमतौर पर बहुत गहरी है और खनन गतिविधियों के साथ कोई प्रासंगिकता नहीं है। हालांकि] मूल स्थलाकृति के समवर्ती पुनर्स्थापना] छिद्रित पानी को परेशान नहीं करेगा।

मृदापरप्रभाव:

टॉपसाइल पर खनन गतिविधियों के पर्यावरणीय प्रभाव टॉपसाइल को हटाने और इसकी डंपिंग की मात्रा पर आधारित हैं। वर्तमान परियोजना में जैसा कि शीर्ष स्तर को अस्थायी रूप से संग्रहीत करने और इसे वृक्षारोपण योजनाओं के लिए उपयोग करने का प्रस्ताव है] टोपोसिल के दर्जनों के किसी भी प्रभाव की परिकल्पना नहीं की गई है। वर्तमान परियोजना में ओवरबर्डन और अंतर बोझ डंप से मिट्टी के कटाव की परिकल्पना नहीं की गई है] क्योंकि ईएमपी में विस्तृत उपाय किए जाएंगे।

फ्लोरा और फॉना पर प्रभाव

पट्टे के कोर जोन क्षेत्र में कोई वन क्षेत्र नहीं है। चूंकि खनन गतिविधि कोर जोन तक सीमित है] सोपस्टोन के प्रस्तावित खनन के कारण बफर जोन के वनस्पतियों पर कोई महत्वपूर्ण प्रभाव नहीं पड़ने का अनुमान है।

प्रस्तावित परियोजना: लघु खनिज सोपस्टोन खनन परियोजना EXECUTIVE सारांश

खदान के पट्टे की सीमा पर] खनन कार्यों के कारण वृद्धिशील धूल पीड़ियाँ नगण्य हैं और यह भी उम्मीद की जाती है कि ईएमपी में सुझाए गए समशीतोष्ण उपायों को अपनाने के साथ] खदान के संचालन के कारण प्रभाव स्थलीय पर कम से कम होगा। पारिस्थितिकी तंत्र और आसन्न वन क्षेत्र पर भी। खनन गतिविधि के कारण बफर क्षेत्र के जीवों पर प्रभाव मामूली होगा। समय की अवधि में प्रस्तावित प्रगतिशील वृक्षारोपण प्रभाव को कम कर देगा] यदि कोई हो] तो जीव पर।

भूमि उपयोग पैटर्न पर प्रभाव:

प्रस्तावित ओपेकैस्ट खदान के परिणामस्वरूप एमएल क्षेत्र का भूमि उपयोग पैटर्न बदल जाएगा। उत्खनन] ओवरबर्डन डंपिंग] मृदा निष्कर्षण आदि खनन गतिविधियों के दौरान भूमि के क्षरण की उम्मीद की जाती है।

प्रस्तावित परियोजना: सोपस्टोन खनन परियोजना
गरुवा सिरमोली, तहसील- कांडा में स्थित है।
जिला-बागेश्वर राज्य- उत्तराखंड
क्षेत्र: 5.809Ha
उत्पादन-20061TPA
प्रस्तावक: श्री दरवान सिंह परिहार

सामाजिक - आर्थिक पहलुओं पर प्रभाव मेरा क्षेत्र किसी भी निवास स्थान को कवर नहीं करता है। इसलिए खनन गतिविधि में मानव निपटान का कोई विस्थापन शामिल नहीं है। कोई भी सार्वजनिक भवन] स्थान] स्मारक आदि पट्टे क्षेत्र के आसपास या आसपास के क्षेत्र में मौजूद नहीं हैं। खनन कार्य किसी भी गांव को परेशान नहीं करेगा और न ही पुनर्वास करेगा। इस प्रकार कोई प्रतिकूल प्रभाव अनुमानित नहीं है। क्षेत्र में खनन गतिविधि का प्रभाव क्षेत्र के सामाजिक-आर्थिक वातावरण पर सकारात्मक है। प्रस्तावित सोपस्टोन खदान स्थानीय आबादी को रोजगार प्रदान करेगी और यह मैन पावर की आवश्यकता होने पर स्थानीय लोगों को प्राथमिकता देगी।

8. पर्यावरणप्रबंधनयोजना

पर्यावरणीय शमन उपायों का सारांश नीचे तालिका में दिया गया है

तालिका: प्रस्तावितपर्यावरणीयशमनउपाय

प्रभावकीभविष्यवाणीसूझावहै

संभावितप्रभाव	सुझाव
प्रभावकीभविष्यवाणीकीउपाय मुक्तआंदोलन / जंगलीजीवोंकेरहनेकीअशांति	• मजदूरोंकोसंवेदनशीलता/वनजीवन केमहत्वकेबारेमेंजागरूककरनेकेलिएजागरूकताशिविरआयोजितकिएजाएंगे। • मजदूरोंकीआवाजाहीकेलिएकोईमार्गयानईसड़कया वाहनोंकोआरक्षितवनक्षेत्रमेंरखाजाएगा] इससे वनविखंडन] अतिक्रमणऔरमानव - पशुमुठभेड़ से बचावहोगा। • वाहनोंकेदौरानउत्पन्नहोनेवालेशोरकाध्यानरखाजाएगा अयस्कसामग्रीलेजानेकेलिए□□ □□□□ □□□□□□ □□□□ □□□□□□ □□□□□□ □□□□ □□ □□□□ □□□□□□ □□□□□□ □□□□□□ । - साथियोंऔरयुवाओंकीकॉल पर जंगल में उच्च शोर □□ स्तर क्षेत्रमेंबैचैनीऔरविफलताकापतालगानेकेलिएनेतृत्वकरेंगे। • ध्यान रखा जाएगा कि जानवरों का कोई शिकार मजदूरों द्वारा न किया जाए। • यदिजंगलीजानवरोंकोकोरज़ोनकोपारकरतेहुएदेखाजाताहै] तो □□□□ □□□□□□ □□ □□□□□□ □□□□ □□□□ □□□□□□ । • मजदूरोंकोभोजन] प्लास्टिककोत्यागनेकीअनुमतिनहींहोगी आदि] जोकोरसाइटकेपासजानवरोंकोआकर्षितकरसकतेहैं। • केवलकमप्रदूषणफैलानेवालेवाहनकोअयस्कसामग्री

प्रस्तावित परियोजना: सोपस्टोन खनन परियोजना
 गरुवा सिरमोली, तहसील- कांडा में स्थित है।
 जिला-बागेश्वर राज्य- उत्तराखंड
 क्षेत्र: 5.809Ha
 उत्पादन-20061TPA
 प्रस्तावक: श्री दरवान सिंह परिहार

	लेजानेकीअनुमतिहोगी। परियोजनास्थलमेंसभीवाहनोंकीअनुमतिहै क्षेत्रकोनियंत्रणमेंप्रदूषणप्रदानकरनाहोगा □□□□□ □□□ □□□□ तीनमहीनेकेअंतमेंप्रमाणपत्र □□□□□□ □□□□□ □□□□□ । • वनक्षेत्र शोरस्तरमेंकिसीभीप्रकारके □□□□□ कीअनुमतिनहींहोगी अनुमेयसीमा (साइलेंटज़ोन -50 डीबी) केभीतरहोगा ध्वनिप्रदूषण (विनियमनऔर) केअनुसारदिनकेसमय) नियंत्रण)] नियम] 2000] CPCB मानदंड।
वनवनस्पतियोंकीकटाई	• किसीभीपेड़कोकाटने] काटने] लकड़ीकाटने] झाड़ियोंकोउखाड़नेऔरजड़ीबूटियोंकीअनुमतिनहींदीजानीचाहिए। • आरक्षितवनक्षेत्रमेंअयस्कसामग्रीकीकोईभीड्रिलिंगनहींहोनीचाहिए। • आर्थिकरूपसेमहत्वपूर्णपौधोंकेसंग्रहपूरीतरहसेप्रतिबंधितहोंगे।

9. सचेतक के विश्लेषण

भारतीयभूवैज्ञानिकसर्वेक्षण (जीएसआई)

द्वाराकिएगएभूवैज्ञानिकजांचऔरअन्वेषणकेपरिणामकेआधारपरसोपस्टोनकीपहचानकीगईहै।खननपरियोजनास्थलविशिष्टहैं
क्योंकिऐसेवैकल्पिकस्थलोंपरविचारनहींकियागयाथा।

खदानकासंचालनअफीमस्टसहअर्धयंत्रीकृतविधिसेकियाजाताहै।अयस्ककीकठोरप्रकृतिकेकारणकोईअन्यवैकल्पिकतकनीकोंकाउ
पयोगनहींकियाजासकताहै।आसपासकेपर्यावरणपरखननकेप्रभावकोकमकरनेकेलिएप्रस्तावितखदानपर्यावरणकेअनुकूलउपायों
काउपयोगकररहाहै।

11. कोस्टएस्टिमेट्स

5 वर्षोंकेलिएपर्यावरणप्रबंधनयोजनाकेलिएलागतकाविवरण] कॉर्पोरेटपर्यावरणीयउत्तरदायित्व (सीईआर) केलिएबजट
(प्रतिवर्ष)

औरसीएसआरकार्यक्रमकेतहतप्रस्तावितविभिन्नगतिविधियोंकेलिएधनकाआवंटनवर्षवारदियागयाहै।तालिकाकेनीचे।

क्रमसं ख्या	गतिविधि	□□□□□ □□□□□ □□□□ (□□)	□□□□□□	□□□ (रु)
1.	□□□□□ □□ □□□□□□□□ □□ □□□ □□□□□□□ □□ □□□□□□□	1,00,000	1	1,00,000
2.	आस□□□ □□ □□□□□□ □□□ □□□	12,500	2	25,000

प्रस्तावित परियोजना: सोपस्टोन खनन परियोजना
 गरुवा सिरमोली, तहसील- कांडा में स्थित है।
 जिला-बागेश्वर राज्य- उत्तराखण्ड
 क्षेत्र: 5.809Ha
 उत्पादन-20061TPA
 प्रस्तावक: श्री दरबान सिंह परिहार

	□□□□□□ □□□□ □□ □□□□□□			
3.	□□□□□ □□ □□□□□□ □□□ □□□□□□□ □□ □□□ □□□□□□ □□ □□□□□□□	70,000	1	70,000
4.	□□□□□ □□ □□□□□□ □□□ □□□□□ □□□□□□ □□ □□□□□□□	5,000	1	5,000
	कुल प्रस्तावित सीईआर लागत			2,00,000

□□□□□□□□ □□□□□□□□ और □□□□□□□□ □□ □□□ बजट

पर्यावरण संरक्षण और पर्यावरण प्रबंधन पर व्यय			
1	ढुलाई की मरम्मत और रखरखाव - सड़क की फिलिंग, लेवलिंग और चौड़ीकरण 6 मीटर की चौड़ाई और 200 मीटर की लंबाई तक। - समतल □□□□ पर कट □□□□□ □□ □□□□□□□ और □□□□□□□□□	□□□□□□□ 380 □□□□ (L) x 6 □□□□ (W)	2,00,000
2	धूल दमन के लिए Haulage Road पर पानी का छिड़काव	240 □□□□□ □□ □□□ □□ □□□ 1000 / □□□□ □□ □□□, □□□□□□ □□ □□□□: □□□ 1000 / □□□□□ □□□□□ □□□□□□: 5000 □□□□, □□□□□□□ □□ □□□□□□ □□□□□□: 1	2,40,000
3	□□□□□ □□ □□□□□□ □□□□□□□□□□ और □□□□□□□□□□□ □□□□□□	□□□□□□□□□□ @ 400 / sapling (1500sapling / □□□□) = 600000 वृक्षारोपण देखभाल @ 600 / दिन (1500 □□□□□□□□□	8,19,000

प्रस्तावित परियोजना: सोपस्टोन खनन परियोजना
गुवा सिरमौली, तहसील- कांडा में स्थित है।
जिला-बागेश्वर राज्य- उत्तराखंड
क्षेत्र: 5.809Ha
उत्पादन-20061TPA
प्रस्तावक: श्री दरवान सिंह परिहार

		□□□□□□□□ □□□ □□□ 365 □□□)। = 219000 □□□: □□□□□ □□ □□□□□□ □□□ □□□□□□ □□□□ □□ □□□□□□ □□□□ □□□ □□ □□□□□□ □□ □□□□□ □□□□□ □□ □□□□□□ □□□ □□□□□□ □□□□ □□ □□□□□□ □□□□ □□□ □□ □□□□□□ □□ □□□□□	
4	□□□□□□□□ □□ □□□□□□□ और □□□□□□□	➤ □□□□□□□□□□ □□□□□□ □□ □□□□□□□□□□ क □□□□□□□□ □□□, □□□□, □□□ और □□□□□□ ➤ □□□□□□□□□□ क □□□□□□□□ □□□□□ □□□□□□□□□ □□□□□ ।	3,00,000
	□□□ □□□□□□□□ □□□□□□□ और □□□□□□□ □□□□ (B)		15,59,000
	कुल परियोजना लागत (A + B)		15,59,000 + 84,51,200 =1,00,10,200

12. શૈક્ષિક અધ્યયન

प्रस्तावित परियोजना: सोपस्टोन खनन परियोजना
गरुवा सिरमोली, तहसील- कांडा में स्थित है।
जिला-बागेश्वर राज्य- उत्तराखंड
क्षेत्र: 5.809Ha
उत्पादन-20061TPA
प्रस्तावक: श्री दरबान सिंह परिहार

जोखिम मूल्यांकन और आपदा प्रबंधन योजना खान प्रबंधक के योग्यता प्रमाण पत्र रखने वाले एक योग्य खदान प्रबंधक के प्रबंधन नियंत्रण और निर्देशन के तहत पूरा खनन कार्य किया जाएगा। इसके अलावा खनन कर्मचारियों को समय-समय पर उन्हें अद्यतन रखने के लिए रिफ्रेशर पाठ्यक्रमों में भेजा जाएगा।

आपदा प्रबंधन योजना आपदा प्रबंधन की योजना में आपातकालीन तैयारी एक महत्वपूर्ण पहलू है। कार्मिक उपयुक्त ढंग से प्रशिक्षित और सावधानीपूर्वक नियोजित सिम्युलेटेड प्रक्रियाओं के माध्यम से आपातकालीन प्रतिक्रिया में मानसिक और शारीरिक रूप से तैयार होंगे। इसी तरह प्रमुख कर्मियों और आवश्यक कर्मियों को संचालन में प्रशिक्षित किया जाएगा।

13. सार्वजनिक परामर्श

सार्वजनिक सुनवाई 14 सितंबर 2006 को ईआईए अधिसूचना के अनुरूप जनसुनवाई से संबंधित धारा 1 (ए) की वीडियोग्राफी] ईआईए / ईएमपी रिपोर्ट काम सौदा उत्तराखंड पर्यावरण संरक्षण और प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (यूईपीसीपीसी) को जनसुनवाई के लिए प्रस्तुत किया जाएगा।

14. परियोजना के लाभ

खनन गतिविधियों के शुरू होने के बाद नागरिक सुविधाओं पर प्रभाव पर्याप्त होगा। चिकित्सा सुविधाएं खदान में प्राथमिक चिकित्सा सुविधा के रूप में प्रदान की जाएंगी। आपात स्थिति में आसपास के स्थानीय लोगों को भी ये चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध होंगी।

- रोजगार सृजन और जीवन स्तर में सुधार;
- रॉयल्टी करें और कर्तव्यों के अनुसार राज्य को राजस्व में वृद्धि; तथा
- बेहतर संचार और परिवहन सुविधाएं आदि।

परियोजना के प्राथमिक और माध्यमिक क्षेत्रों में स्थानीय लोगों के रोजगार से क्षेत्र की समृद्धि का उन्नयन होगा।

15. निष्कर्ष

- खनन कार्य MoEF & CC की अनुपालन आवश्यकताओं को पूरा करेगा;
- सामुदायिक प्रभाव फायदेमंद होंगे, क्योंकि परियोजना क्षेत्र के लिए महत्वपूर्ण आर्थिक लाभ उत्पन्न करेगी;
- अधिक पर्यावरण अनुकूल प्रक्रिया के साथ सर्वश्रेष्ठ उपलब्ध प्रौद्योगिकी और सर्वोत्तम प्रबंधन प्रथाओं को अपनाना; तथा
- खनन गतिविधियों के दौरान पर्यावरण प्रबंधन योजना (ईएमपी) के प्रभावी कार्यान्वयन के साथ प्रस्तावित परियोजना पर्यावरण पर कोई महत्वपूर्ण नकारात्मक प्रभाव डाले बिना आगे बढ़ सकती है।